

Shri S. V. Ramaswamy: The hon. Member may kindly read the Remarks Column of the tabular statement given. He will find the answers to the questions.

Shri Daji: Not talking of the old or obsolete mills, there are mills which it is possible technically and physically to work. What proper action does Government propose to take so that, if such mills got closed, instead of a closure period of three months or six months, immediately the Government takes them over and runs them, not on the basis on which, for example, the Rajnandgaon Mills are being run, namely with a 40 per cent cut, but on the basis that the period of loss of production and loss of employment is reduced to the minimum?

Shri Manubhai Shah: Under the Act, the widest powers have been taken by the Government. The hon. Members' preamble was that the mills are in good condition and yet they are closed. I know of no mill which without mismanagement and mishandling of machinery gets closed. Therefore, when we want to restart, we should amputate the bad limbs and modernise the machinery, which takes time. I can assure that any mill that is worth taking over will be immediately taken over by the Government of India.

Shri Rameshwar Tantia: May I know whether it has come to the notice of the Government that the stocks of sold and unsold cloth are increasing with the mills, which might cause some more closures?

Mr. Speaker: What has that to do with this question?

श्री शिव नारायण : गवर्नमेंट सो-सालिस्टिक पैटर्न आफ सोसाइटी पर चल रही है। घ्राए दिन इस उद्योग में मजदूरों के झगड़े होते रहते हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार इस उद्योग को नेशनलाइज करने पर विचार कर रही है ?

फाइलों पर हिन्दी में टिप्पण

॥

* 1106. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री किशन पटनायक :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री नवल प्रभाकर :
श्री श० ना० चतुर्वेदी :
श्री विभाम प्रसाद :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे के अधीन विभिन्न कार्यालयों में कर्मचारियों को फाइलों पर हिन्दी में टिप्पण लिखने तथा हिन्दी में पत्र-व्यवहार करने से रोका गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं जब कि संघ के कार्यों के लिए हिन्दी राजभाषा घोषित हो चुकी है ; और

(ग) क्या इस रोक को दूर करने के लिए स्पष्ट आदेश जारी करने का विचार है ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम-नाथ) : (क) जी, नहीं। वर्तमान हिदायतों के अनुसार हिन्दी भाषी इलाकों में उन रेलवे दफ्तरों के सेक्शनों जिन में 60 फ्रीसदी या इससे अधिक कर्मचारियों को हिन्दी का कामचलाऊ ज्ञान हो, फाइलों पर हिन्दी में नोट लिखने की इजाजत है। इस बात की भी हिदायत है कि जो पत्र हिन्दी में आयें, उनका जवाब हिन्दी में दिया जाय और जिन राज्य सरकारों ने हिन्दी को राजभाषा मान लिया है, उनके साथ पत्र-व्यवहार में अंग्रेजी के साथ साथ हिन्दी का इस्तेमाल किया जाय।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठते।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं जानना चाहता हूँ कि 26 जनवरी सन् 1965 के बाद

इस मंत्रालय द्वारा किन किन विभागों को आदेश दिए गए हैं कि वे हिन्दी में काम करें ?

श्री शामनाथ : मैं ने अभी बताया कि जिन दफ्तरों में ऐसे सेक्शन हैं जिन में 60 फ्रीसदी या इससे ज्यादा लोग हिन्दी जानते हैं और वे दफ्तर हिन्दी स्पीकिंग एरिया में है, उन में लोग हिन्दी में कुछ काम कर सकते हैं।

श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या यह बात सही है कि जिन दफ्तरों में हिन्दी में काम करने के लिए आदेश दिए गए थे, उन आदेशों को कुछ अफसरों ने वापस ले लिया है ? यदि हां, तो क्या सरकार ने इस की खोज की है और जिन अफसरों ने ये आदेश वापस लिए उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गयी है ?

श्री शामनाथ : ऐसी कोई बात नहीं है।

Shri S. N. Chaturvedi: May I know what is the position in this respect in the headquarter offices of the different railways whether the noting in Hindi is permitted in these offices or not?

Shri Sham Nath: It is permitted there provided the conditions laid down are fulfilled.

श्री किशन पटनायक : यह हिन्दी में कामकाज करने के लिए रेलवे मंत्रालय ने क्या एक स्वतंत्र नियम अपने लिए बनाया है या सारे कैबिनेट की जितनी मिनिस्ट्रीज हैं सब के लिए एक क्रिस्म का नियम व कायदा है ?

श्री शामनाथ : होम मिनिस्ट्री से जो हमें हिदायतें मिली हैं उन्हीं के मुताबिक काम चल रहा है।

Shrimati Yashoda Reddy: In places where Hindi is not known and especially the lower grade officers do not know Hindi, have special instructions been issued by the Ministry of Railways that apart from instructions being given in English and Hindi, the regional languages will also be em-

ployed or at least some language known to the people there will be used?

Shri Sham Nath: I have just stated that these instructions are only in regard to the officers in Hindi-speaking areas for the use of Hindi.

Shrimati Yashoda Reddy: I am asking about the officers of the lower ranks and not about others. Officers of the higher ranks may know Hindi, but the people of lower ranks may not know English or Hindi.

The Minister of Railways (Shri S. K. Patil): I do not think we are going beyond English and Hindi to the other languages.

श्री सिंहासन सिंह : अभी यह बताया गया कि जहां 60 फ्रीसदी से अधिक जानकार दफ्तर में हिन्दी के हों वहां पर हिन्दी में कार्य करने की व्यवस्था हो तो क्या मैं जान सकता हूँ कि हमारे गोरखपुर में जो कि उत्तर-प्रदेश रेलवेज का हेडक्वार्टर है...

अध्यक्ष महोदय : अब माननीय सदस्य अगर इस तरह से एक, एक जगह का गोरखपुर या और कहीं का पूछने लगेंगे तो...

श्री सिंहासन सिंह : गोरखपुर उत्तर रेलवेज का हेडक्वार्टर है और वहां पर 99 फ्रीसदी हिन्दी जानने वाले लोग हैं तो क्या वहां पर हिन्दी में सम्पूर्ण कार्य करने के लिए आदेश जारी किये जायेंगे ?

श्री शामनाथ : गोरखपुर में भी वही बात है जो कि सब जगह है। गोरखपुर हिन्दी एरिया में है और वहां के दफ्तरों के ऐसे सेक्शंस हैं जिन में 60 फ्रीसदी आदमी हिन्दी जानते हैं हिन्दी में काम कर सकते हैं।

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : उपमन्त्री महोदय ने अपने उत्तर में एक बात यह कही कि जिन राज्यों ने अपनी भाषा हिन्दी स्वीकार कर ली है उन को अंग्रेजी के साथ हिन्दी में भी

पत्राचार करने की सुविधा दी गई है तो मैं जानना चाहता हूँ कि कहीं आपके लिखने में और बोलने में तो कहीं भूल नहीं हो गई क्योंकि अंग्रेजी के साथ हिन्दी में पत्राचार करने का अर्थ क्या है जबकि उन की भाषा हिन्दी है तो हिन्दी में उन से पत्राचार किया जाय अलबत्ता अंग्रेजी का अनुवाद भी साथ में भेज दें ?

श्री शामनाथ : हिन्दी में जवाब दिया जाता है और उसके साथ अंग्रेजी में उसका अनुवाद भेजते हैं ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मेरा मतलब मूल पाठ से था ।

Shri S. Kandappan: The hon. Minister has just now said that there are enough provisions for replying in Hindi the letters received in Hindi. I would like to know whether there is a similar provision for replying letters received in Tamil or in any other Indian national language.

Shri Sham Nath: No, Sir.

श्री रामसेवक यादव : मंत्री महोदय ने बतलाया कि जहाँ लोग हिन्दी में काम कर सकते हैं उन को यह अधिकार है कि वह हिन्दी में काम करें, लेकिन जो संविधान में भाषा सम्बन्धी व्यवस्था है उसको ध्यान में रखते हुए क्या रेलवे मंत्रालय इस बात को भी प्रोत्साहन दे रहा है कि ऐसी जगहों से खास तौर से हिन्दी भाषी इलाकों में हिन्दी में ही कामकाज हो ?

श्री शामनाथ : मैं ने जो बात कही है उस से यह विलकुल साफ है कि जहाँ ऐसे लोग हैं जो कि हिन्दी जानते हैं और वह दफ्तर हिन्दी के इलाकों में है वहाँ लोगों को कहा गया है कि वह हिन्दी में काम कर सकते हैं ।

श्री रामसेवक यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं

अध्यक्ष महोदय: जो उन्होंने कहा है वह इतना ही है और आप का जितना मतलब वह नहीं कर रहे हैं तो आप कोई और चारा काम में लाइये ।

Shri Daji: The attention of Government was drawn by a member of parliament to tickets printed only in Hindi issued in the Southern Railways in Madras and other areas. Has government made enquiries about it and rectified that?

Mr. Speaker: It was said here that that was wrong.

Shri Kapur Singh: Do Government propose to make it clear to all concerned, once and for all, that the question of the official language is an administrative question and not a question of religious revival?

Shri S. K. Patil: That, this Parliament has to decide.

श्री यशपाल सिंह : क्या सरका के ध्यान में यह बात है कि 26 जनवरी 1965 के बाद जो रेलवे कर्मचारी हिन्दी में काम करना शुरू करने लगे थे उनको हाइ आफिशिएल्स के आर्डर्स गए हैं कि हिन्दी में काम न करके अंग्रेजी में ही करें । मैं ने खुद वह आर्डर देखा है ।

श्री शामनाथ : मैं ने अभी बतलाया कि जो दो, तीन कंडीशंस हैं उन ही के मुताबिक काम होता है ।

Railway Industrial Units

+
*1107. { **Shri Tula Ram:**
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Raghunath Singh:
Shri Ram Harkh Yadav:
Shri Murli Manohar:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up two heavy Railway Industrial Units at Allahabad;